राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल कक्षा 6

प्रवेश परीक्षा 2027

सम्पूर्ण पाठ्यक्रमानुसार

स्टडी बुक

सामान्य ज्ञान | गणित | बौद्धिक क्षमता | English

मुख्य विशेषताएँ

- **संपूर्ण थ्योरी**
  NCERT पुस्तकों एवं परीक्षा पाठ्यक्रम पर आधारित थ्योरी
- **अभ्यास प्रश्न**
  अध्यायवार महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्नों का समावेश
- **सॉल्व्ड पेपर**
  वर्ष 2026 का हल सहित पेपर

सम्पूर्ण स्टडी बुक
जिससे परीक्षा में अब तक
50,000+
बच्चों ने अपने पहले प्रयास में
परीक्षा पास की है!

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

RMS
शीलम् परम भूषणम्

About the Book

यह पुस्तक राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल (RMS) कक्षा 6 प्रवेश परीक्षा 2027 की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है। यह एक Complete Syllabus-Wise Guide Book है, जिसे नवीनतम परीक्षा पैटर्न और सिलेबस को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है, ताकि छात्र सही दिशा में प्रभावी और आत्मविश्वासपूर्ण तैयारी कर सकें।

पुस्तक की मुख्य विशेषताएँ:

- ✓ यह पुस्तक RMS कक्षा 6 प्रवेश परीक्षा के नवीनतम सिलेबस और प्रश्न पैटर्न पर आधारित है, जिससे विद्यार्थियों को परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की स्पष्ट समझ मिलती है।
- ✓ इसमें सामान्य ज्ञान, गणित, बौद्धिक क्षमता और English जैसे सभी आवश्यक विषयों को सिलेबस अनुसार व्यवस्थित रूप से शामिल किया गया है।
- ✓ प्रत्येक विषय में Complete Theory दी गई है, जो NCERT पाठ्यक्रम और परीक्षा की आवश्यकताओं पर आधारित है, ताकि कॉन्सेप्ट मजबूत बन सकें।
- ✓ पुस्तक में अध्यायवार महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न दिए गए हैं, जो छात्रों को नियमित अभ्यास और आत्ममूल्यांकन में मदद करते हैं।
- ✓ परीक्षा की वास्तविक तैयारी के लिए 2026 का Solved Paper विस्तृत समाधानों के साथ शामिल किया गया है, जिससे छात्र प्रश्नों के स्तर और पैटर्न को समझ सकें।
- ✓ अध्यायवार संरचना के कारण यह पुस्तक रिवीजन और टारगेटेड प्रैक्टिस के लिए अत्यंत उपयोगी है।
- ✓ सरल, स्पष्ट और छात्र-अनुकूल भाषा में तैयार की गई यह पुस्तक कक्षा 6 के विद्यार्थियों के लिए पूरी तरह उपयुक्त है।

इस सम्पूर्ण गाइड बुक के नियमित अध्ययन और अभ्यास से छात्र अपनी तैयारी को मजबूत बना सकते हैं और RMS कक्षा 6 प्रवेश परीक्षा 2027 में सफलता की ओर आत्मविश्वास के साथ कदम बढ़ा सकते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें

Buy books at great discounts on: www.examcart.in | www.amazon.in/examcart |

राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल कक्षा 6 प्रवेश परीक्षा स्टडी बुक

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!
CB2270

राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल कक्षा 6
प्रवेश परीक्षा स्टडी बुक
ISBN - 978-93-7516-936-9
9 789375 169369
₹ 449

CB2270
AGRAWAL EXAMCART

Code	Price	Pages	ISBN
CB2270	₹449	517	978-93-7516-936-9

विषय सूची

➔ **परीक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचना (Important Information)** viii
(राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल प्रवेश परीक्षा की सम्पूर्ण जानकारी एवं पुस्तक या किसी भी समस्या के लिए हमारा Helpline No.)

➔ पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पैटर्न ix

➔ विश्लेषण चार्ट xi
(विगत वर्षों के पेपर्स में कितने प्रश्न हर विषय के अध्याय से पूछे गये, उसका चार्ट)

सॉल्व्ड पेपर

➢ हल प्रश्न-पत्र 2026 (परीक्षा तिथि : 07-12-2025) 1-22

सामान्य ज्ञान

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	भारतीय इतिहास	22	1-9
2.	भारत के प्रमुख धर्म	25	10-20
3.	सौरमंडल, वातावरण, पृथ्वी का आकार और गुरुत्वाकर्षण	21	21-25
4.	विश्व के महाद्वीप, पर्वत और नदी तंत्र (विश्व भूगोल)	21	26-31
5.	मिट्टी एवं प्राकृतिक वनस्पति	11	32-34
6.	ऊर्जा संसाधन	15	35-36
7.	भारतीय भूगोल	20	37-45
8.	किसान और कृषि तकनीक	11	46-49
9.	पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी	17	50-55
10.	प्राकृतिक आपदाएँ	11	56-58
11.	भारतीय संविधान और राजनीति	14	59-68
12.	भारत के राष्ट्रीय प्रतीक	13	69-71
13.	वैज्ञानिक उपकरण और उनके दैनिक उपयोग	19	72-77
14.	पौधों और जानवरों का संरचनात्मक संगठन तथा पोषण	19	78-86
15.	रसायनों के सामान्य नाम	12	87-90
16.	सामान्य विज्ञान/विविध	20	91-95
17.	भारतीय रक्षा प्रणाली	21	96-104
18.	खेल और क्रीड़ा	11	105-108
19.	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार	15	109-112
20.	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठन	14	113-117
21.	भारत और दुनिया में सबसे पहले, सबसे ऊँचा, सबसे लंबा	15	118-124

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
22.	भारत और विश्व में पर्यटन	10	125-127
23.	कम्प्यूटर	14	128-130
24.	विविध	20	131-139
		प्रश्न संख्या : 391	

गणित

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	संख्या प्रणाली	142	1-9
2.	गणितीय संक्रियाएँ	90	10-15
3.	ल.स.प. और म.स.प.	110	16-22
4.	भिन्न एवं दशमलव संख्या	120	23-30
5.	वर्ग एवं वर्गमूल	30	31-33
6.	घातांक एवं करणी	21	34-36
7.	औसत	48	37-40
8.	प्रतिशतता	105	41-45
9.	लाभ और हानि	81	46-51
10.	अनुपात एवं समानुपात	98	52-57
11.	समय एवं कार्य	18	58-59
12.	गति, समय और दूरी	67	60-64
13.	ऐकिक नियम	41	65-67
14.	साधारण ब्याज	94	68-73
15.	एक चर वाले रैखिक समीकरण	40	74-76
16.	ज्यामिति	114	77-89
17.	क्षेत्रफल एवं परिधि	154	90-99
18.	पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन	72	100-103
19.	मापन का अनुप्रयोग	83	104-110
20.	संख्या शृंखला	20	111-113
		प्रश्न संख्या : 1548	

बौद्धिक क्षमता

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	सांकेतिक भाषा परीक्षण	31	1-4
2.	शब्दों का व्यवस्थीकरण तथा शब्द निर्माण	38	5-7
3.	सादृश्यता परीक्षण	44	8-12
4.	वर्गीकरण	38	13-14
5.	शब्दों का तार्किक क्रम	32	15-17

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
6.	औपबन्धित संख्या/अक्षर तथा प्रतीक ज्ञात करना	17	18-19
7.	रक्त सम्बन्ध	31	20-23
8.	दिशा परीक्षण	31	24-27
9.	शृंखला परीक्षण	45	28-30
10.	वेन आरेख	31	31-35
11.	श्रेणी परीक्षण	33	36-38
12.	गणितीय संक्रियाएँ	38	39-41
13.	न्याय संगत	20	42-47
14.	कैलेंडर	20	48-49
15.	बैठक व्यवस्थीकरण	17	50-52
16.	पहेली परीक्षण	11	53-55
17.	लुप्त पद ज्ञात करना	34	56-59
18.	पासा	16	60-63
19.	अभाषिक तर्कशक्ति	74	64-82
20.	आकृति आव्यूह	11	83-86
21.	आकृतियों का निर्माण	25	87-91
		प्रश्न संख्या : 637	

English

Chapter No.	Chapter's Name (Complete Theory)	Practice Questions	Page No.
1.	Reading Comprehension	95	1-7
2.	Types of Sentence	20	8-9
3.	Articles	25	10-12
4.	The Noun : Kinds of Noun	21	13-14
5.	The Noun : Number-Singular and Plural	15	15-16
6.	The Noun : Gender	27	17-18
7.	Pronoun	16	19-20
8.	Adjective and Degrees of Comparison	24	21-23
9.	Adverbs	28	24-25
10.	Verbs and Its Types	27	26-28
11.	Preposition	34	29-31
12.	Conjunction	21	32-33
13.	Interjection	10	34
14.	Tense Forms	25	35-37
15.	Voice	16	38-40
16.	Narration	15	41-44
17.	Synonyms	30	45-48
18.	Antonyms	35	49-52
19.	Idioms and Phrases	28	53-55
20.	One Word Substitution	35	56-58

Chapter No.	Chapter's Name (Complete Theory)	Practice Questions	Page No.
21.	Spelling Test	40	59-60
22.	Ordering of Words in Sentence	29	61-62
23.	Cloze Test	45	63-64
24.	Rhyming Words	10	65
25.	Subject Verb Agreement	11	66-67
26.	Question Tag	20	68-69
27.	Transformation of Sentences	11	70-71
		प्रश्न संख्या : 713	

परिशिष्ट

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
सामान्य ज्ञान			
1.	भारत की कला एवं संस्कृति	16	1-5
2.	पशु और परिवेश (सुपर सेंस)	23	6-9
3.	जनजातीय समुदाय और वन उपज	7	10-11
4.	दैनिक जीवन में जल, जल संचयन और प्रदूषण तथा सूक्ष्म जीव रोग	17	12-17
		प्रश्न संख्या : 63	
गणित			
1.	सरलीकरण	90	1-11
2.	आँकड़ों का प्रबंधन	42	12-23
		प्रश्न संख्या : 132	
बौद्धिक क्षमता			
1.	अंकगणितीय तर्कशक्ति	28	1-7
		प्रश्न संख्या : 28	

उत्तरमाला

1.	सामान्य ज्ञान	1-4
2.	गणित	4-10
3.	बौद्धिक क्षमता	10-15
4.	English	15-18

अतिरिक्त अध्ययन सामग्री ई-बुक (Extra Study Material E-Book)

Extra Study Material ई-बुक का Content

- 5 सॉल्व्ड पेपर्स की ई-बुक
- डिस्काउंट कूपन दिया गया है। उसका उपयोग करें और 'www.examcart.in' से हमारी किताबें सबसे अच्छे डिस्काउंट पर खरीदें।

नोट : **Link Expire** होने से पहले दिए गए **QR Code** को स्कैन करके आप यह **Extra Study Material E-Book** को **Download** कर लें।

ऐसी पुस्तकें जो कोई आपको बताना नहीं चाहता!

इन अनोखी पुस्तकों ने कई छात्रों को उनके पहले प्रयास में ही परीक्षा पास करने में मदद की है और हम जो कहते हैं, उसे साबित भी करते हैं—इसीलिए हर पुस्तक के कुछ सैंपल चैप्टर दिए गए हैं। हम गारंटी देते हैं कि इन्हें पढ़ने के बाद आपको समझ आएगा कि ये पुस्तकें क्यों सबसे बेहतरीन हैं और क्यों इतने सारे छात्र इनसे सफल हुए हैं।

नोट

पढ़ने के लिए, किसी भी पुस्तक के पास दिए गए **QR Code** को स्कैन करें, उसके वेबसाइट पेज पर **"View PDF"** पर क्लिक करें। अगर पुस्तक पसंद आए, तो **Extra Study Material** ई-बुक में दिया गया डिस्काउंट कूपन इस्तेमाल करें और बेहतरीन डिस्काउंट भी पाएँ!

अखिल भारतीय सैनिक एवं राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल (Solved Papers)

जवाहर नवोदय विद्यालय (Solved Papers)

सैनिक स्कूल (Practice Sets)

जवाहर नवोदय विद्यालय (Practice Sets)

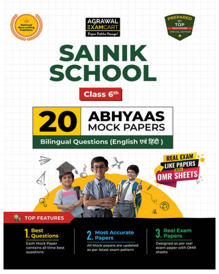

सैनिक स्कूल Abhyaas (Mock Papers)

जवाहर नवोदय विद्यालय Abhyaas (Mock Papers)

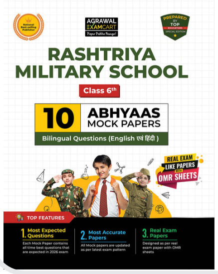

राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल Abhyaas (Mock Papers)

सैनिक स्कूल (Guidebook)

जवाहर नवोदय विद्यालय (Guidebook)

अध्याय 1

भारतीय इतिहास

प्राचीन भारत

- **सिंधु घाटी सभ्यता (6000 ईसा पूर्व – 1300 ईसा पूर्व):**
  - ❖ यह सभ्यता विश्व में सबसे प्रारंभिक सभ्यताओं में से एक थी और सिंधु नदी घाटी में विकसित हुई जो कि अब पाकिस्तान और उत्तर–पश्चिमी भारत में स्थित है।
  - ❖ सिंधु घाटी सभ्यता अपनी उन्नत नगरीय योजना और प्रौद्योगिकी के साथ–साथ अपनी परिष्कृत संस्कृति और धर्म के लिए जानी जाती है।
  - ❖ इस सभ्यता के महत्वपूर्ण स्थलों में हड़प्पा (पाकिस्तान), मोहनजोदड़ो (पाकिस्तान), लोथल (गुजरात), कालीबंगा (राजस्थान), धौलावीरा (गुजरात), राखीगढ़ी (हरियाणा) आदि शामिल हैं।
- **वैदिक काल (1700 ईसा पूर्व – 600 ईसा पूर्व):**
  - ❖ इस काल को वेदों की रचना, हिंदू धर्म के आरंभिक पवित्र ग्रंथों के विकास और जाति व्यवस्था के उद्भव द्वारा चिह्नित किया गया है। वेदों की संख्या चार हैं– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद।
  - ❖ ऋग्वेद सबसे प्राचीन वेद है, जिसमें 1028 सूक्त और 10 मण्डल हैं।
- **महाजनपदों का काल (600 ईसा पूर्व – 300 ईसा पूर्व):**
  - ❖ इस काल में मगध, कौशल और कुरु जैसे शक्तिशाली राज्यों सहित ऐसे 16 शक्तिशाली राज्यों या गणराज्यों का उदय हुआ, जिन्हें महाजनपद के रूप में जाना जाता है। मगध साम्राज्य द्वारा ही युद्धों में सबसे पहले हाथियों का प्रयोग किया गया था।
  - ❖ मगध का शासक बिम्बसार और अवन्ति का शासक चंद्र प्रद्योत बुद्ध के समकालीन थे। प्राचीन मगध साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र थी। यद्यपि इसकी प्रारम्भिक राजधानी राजगृह थी।
- **जैन धर्म और बौद्ध धर्म का उदय (छठी शताब्दी ईसा पूर्व):**
  - ❖ इस अवधि में जैन धर्म और बौद्ध धर्म नामक ऐसे दो प्रमुख भारतीय धर्मों का उदय हुआ, जिनका भारतीय संस्कृति और समाज पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा।
- **फारसी और यूनानी आक्रमण (5वीं शताब्दी ईसा पूर्व – दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व):**
  - ❖ इस अवधि में फारसी और यूनानी सेनाओं द्वारा क्रमशः डेरियस (दारा) और सिकंदर महान के नेतृत्व में भारत पर आक्रमण किये गए और इन आक्रमणों का भारतीय संस्कृति और समाज पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा।
- **मौर्य साम्राज्य (322 ईसा पूर्व – 185 ईसा पूर्व):**
  - ❖ इस साम्राज्य की स्थापना चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा की गई थी। यह साम्राज्य पहला ऐसा साम्राज्य था जिसने एक छत्र के अंतर्गत अधिकांश भारतीय उपमहाद्वीप को एकजुट किया और इसे अपने उन्नत प्रशासन और सैन्य संगठन के लिए जाना जाता था।
  - ❖ अशोक इस वंश का महानतम शासक था जिसने शिला लेखों के माध्यम से जनता को सम्बोधित किया और कश्मीर में 'श्रीनगर' की स्थापना की थी।
  - ❖ अशोक चन्द्र गुप्त मौर्य का पौत्र और बिन्दुसार का पुत्र था।
  - ❖ मौर्य वंश का अंतिम शासक बृहद्रथ था।
  - ❖ अशोक के अभिलखों और ब्रह्मी लिपि को जेम्स प्रिंसेप ने खोजा था।
- **गुप्त साम्राज्य (320 ई. – 550 ई.):**
  - ❖ इस वशं का संस्थापक श्री गुप्त था।
  - ❖ यह साम्राज्य कला, विज्ञान, गणित और साहित्य में अपनी उपलब्धियों के लिए जाना जाता था, और इस साम्राज्य के काल को प्राचीन भारत के 'स्वर्ण युग' के नाम से जाना जाता है।
  - ❖ गुप्त शासक कुमार गुप्त ने नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना पाँचवीं शताब्दी में की थी। इसमें प्रवेश के लिए द्वार पण्डित द्वारा परीक्षा ली जाती थी।
  - ❖ गुप्त शासक समुद्र गुप्त को भारत का नेपोलियन कहा जाता है।
  - ❖ चीनी यात्री फाह्यान गुप्त शासक चन्द्र गुप्त द्वितीय के समय भारत आया था।
- **हर्षवर्धन साम्राज्य (606 ई. – 647 ई.) और हर्षः**
  - ❖ यह साम्राज्य वर्धन वंश (पुष्यभूति वंश) के शासक हर्ष द्वारा शासित था और इस साम्राज्य का उत्तरी भारत के एक बड़े हिस्से पर नियंत्रण था। इस साम्राज्य को धर्म, साहित्य और कला की विलक्षण उपलब्धियों के लिए जाना जाता था।
  - ❖ हर्षवर्धन के शासन काल के दौरान चीनी यात्री ह्वेनसांग नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन करने आया था वह सिल्क मार्ग से भारत आया था जिसे वर्तमान में नाथुला दर्रा, कहा जाता है।
  - ❖ नालंदा विश्व विद्यालय विश्व का प्रथम आवासीय विश्वविद्यालय था।
- **राजपूतों का उदय (छठी शताब्दी – 12वीं शताब्दी):**
  - ❖ राजपूत वास्तव में ऐसे योद्धा राजवंशों का एक समूह थे जिनका नियंत्रण उत्तरी और पश्चिमी भारत के एक बड़े भाग पर था और जिन्होंने मध्यकालीन भारतीय इतिहास को आकार देने में एक प्रमुख भूमिका निभाई।
  - ❖ राजपूत शासकों में सबसे प्रसिद्ध पृथ्वीराज चौहान था। जिसने पानीपत के प्रथम युद्ध में मुहम्मद गौरी को पराजित किया।
  - ❖ पाल शासक धर्मपाल ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की थी।

मध्यकालीन भारत

- **गजनी साम्राज्य (977 ई. – 1186 ई.)**:
  - सबक्तगीन द्वारा स्थापित और उनके बेटे महमूद गजनी द्वारा विस्तारित इस साम्राज्य का एक विशाल क्षेत्र पर नियंत्रण था जिसमें वर्तमान पाकिस्तान, अफगानिस्तान और उत्तर–पश्चिमी भारत के कुछ हिस्से शामिल थे।
- **दिल्ली सल्तनत (1206 ई. – 1526 ई.)**:
  - इस साम्राज्य की स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक ने की थी और इस साम्राज्य के अंतर्गत मामलुक वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैयद वंश और लोधी वंश ने शासन किया था।
  - इब्नबतूता तुगलक शासक मुहम्मद तुगलक के समय भारत आया था।
  - कुतुबुद्दीन के समय सल्तनत की राजधानी लाहौर थी।
- **विजयनगर साम्राज्य (1336 ई. – 1646 ई.)**:
  - दक्षिण भारत में स्थित यह साम्राज्य, कला, वास्तुकला और साहित्य में अपनी उपलब्धियों के लिए जाना जाता था और इसने दक्षिण भारत में इस्लामी आक्रमणों का विरोध करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई।
- **बहमनी सल्तनत (1347 ई. – 1527 ई.)**:
  - दक्षिण भारत में स्थित यह साम्राज्य बहमनी परिवार द्वारा स्थापित किया गया था, और इस साम्राज्य के अंतर्गत बहमनी वंश, बरीद शाही वंश और कुतुब शाही वंश इमादशाही वंश सहित कई राजवंशों ने शासन किया था।
- **मुगल साम्राज्य (1526 ईस्वी – 1858 ईस्वी)**:
  - बाबर द्वारा स्थापित यह साम्राज्य कला, वास्तुकला और साहित्य के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों के साथ–साथ विद्वानों और वैज्ञानिकों के संरक्षण के लिए जाना जाता था। इस साम्राज्य के प्रमुख शासकों में बाबर, हुमायूँ, अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ, औरंगजेब आदि प्रमुख थे।
  - शेरशाह सूरी ने रुपया नामक मुद्रा चलवाई थी तथा उसका मकबरा सासाराम बिहार में स्थित है।
- **मराठा साम्राज्य (1674 ई. – 1818 ई.)**:
  - शिवाजी द्वारा स्थापित इस साम्राज्य का पश्चिमी और मध्य भारत के एक बड़े हिस्से पर नियंत्रण था और इसने मुगल सल्तनत का विरोध करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई।

आधुनिक भारत

- **ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी (1600 ई. – 1858 ई.)**:
  - ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी एक ब्रिटिश व्यापारिक कंपनी थी जिसने धीरे–धीरे भारत के बड़े हिस्से पर नियंत्रण स्थापित कर लिया और इस कारण अंग्रेजों द्वारा भारत का उपनिवेशीकरण हो गया।
- **1857 का विद्रोह (जिसे भारतीय विद्रोह के रूप में भी जाना जाता है)**
  - यह भारत में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के खिलाफ एक व्यापक विद्रोह था जिसकी शुरुआत मेरठ से हुई थी। जिसके कारण अंततः ब्रिटिश क्राउन (ताज) ने भारत पर नियंत्रण कर लिया।
- **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (1885)**:
  - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) का गठन भारतीयों की मांगों और शिकायतों को सुनने और ब्रिटिश सरकार में उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए एक राजनीतिक संगठन के रूप में किया गया था। व्योमेश चंद्र बनर्जी इसके पहले अध्यक्ष थे।
- **भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (19वीं – 20वीं शताब्दी)**:
  - इस अवधि में भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का उदय हुआ, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करना था।
- **बंगाल का विभाजन (1905)**:
  - यह घटना, जिसे "बंगाल विभाजन" के रूप में भी जाना जाता है, अंग्रेजो द्वारा बंगाल को साम्प्रादायिक आधार पर हिंदू और मुस्लिम–बहुल क्षेत्रों में विभाजित करके राष्ट्रवादी आंदोलन को कमजोर करने के लिए ब्रिटिश सरकार की एक नीति थी।
- **जलियांवाला बाग हत्याकांड (1919)**:
  - 13 अप्रैल, 1919 को पंजाब के अमृतसर में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दो लोकप्रिय नेताओं, डॉ. सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल की गिरफ्तारी और निर्वासन के विरोध में जलियांवाला बाग नमक एक सार्वजनिक उद्यान में लोगों का एक शांतिपूर्ण सभा हो रही थी।
  - ब्रिगेडियर–जनरल रेजिनाल्ड डायर द्वारा ब्रिटिश भारतीय सेना के सैनिकों को निहत्थी भीड़ पर बिना किसी चेतावनी के गोली चलाने का आदेश दिया, जिसके परिणामस्वरूप सैकड़ों लोग मारे गए।
- **असहयोग आंदोलन (1920-1922)**:
  - अहिंसक तरीकों से स्वतंत्रता प्राप्त करने के उद्देश्य से महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन की शुरुआत की थी। यह एक महत्वपूर्ण घटना थी, क्योंकि यह ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ यह पहला देशव्यापी आंदोलन था।
- **साइमन कमीशन (1927)**:
  - 8 नवंबर, 1927 को, ब्रिटिश सरकार ने सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में सात सदस्यीय भारतीय वैधानिक आयोग की नियुक्ति की घोषणा की, ताकि भविष्य के संवैधानिक सुधार के प्रश्न पर विचार किया जा सके। इसे ही व्यापक रूप से साइमन कमीशन के रूप में जाना गया।
  - भारतीयों ने इसका इस कारण विरोध किया क्योंकि इसमें कोई भी भारतीय सदस्य नहीं था।
- **नमक सत्याग्रह (1930)**:
  - यह ब्रिटिश नमक एकाधिकार के विरुद्ध महात्मा गांधी के नेतृत्व में किया गया एक अहिंसक सविनय अवज्ञा आंदोलन था। यह एक महत्वपूर्ण घटना थी जिसे 12 मार्च, 1930 को दांडी से शुरू किया गया था, क्योंकि इसने भारतीय स्वतंत्रता के मुद्दे को विश्व मंच पर ला दिया था।
- **भारत छोड़ो आंदोलन (1942)**:
  - महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए इस आंदोलन के द्वारा भारत में ब्रिटिश शासन को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया गया था और व्यापक और सविनय अवज्ञा किया जाना इसकी विशेषता थी।

- **भारत की स्वतंत्रता और भारत का विभाजन (1947):**
  - 15 अगस्त, 1947 को, भारत ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की, और देश भारत और पाकिस्तान नामक दो अलग–अलग राज्यों (राष्ट्रों) में विभाजित हो गया।
- **भारत में संविधान और भारत गणराज्य का गठन (1950):**
  - भारत ने अपने स्वनिर्मित संविधान को अपनाया, और आधिकारिक तौर पर 26 जनवरी, 1950 को भारत एक गणराज्य बन गया।
- **भारत में आपातकाल (1975-1977):**
  - यह वह अवधि थी जिसे "आंतरिक आपातकाल" के रूप में भी जाना जाता है, 21 महीने की अवधि थी, जिसके दौरान प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने नागरिक स्वतंत्रता को निलंबित कर दिया और समाचार पत्रों पर प्रतिबन्ध लगा दिया था।
- **भारतीय परमाणु परीक्षण (1998):**
  - भारत ने श्रृंखलाबार परमाणु परीक्षण किये, जिसके कारण देश को अंतर्राष्ट्रीय निंदा और आर्थिक प्रतिबंधों का सामना भी करना पड़ा।

भारतीय इतिहास के प्रसिद्ध युद्ध और लड़ाइयाँ

- **कुरुक्षेत्र की लड़ाई (महाभारत युद्ध):**
  - हिंदू महाकाव्य में महाभारत के नाम से वर्णित यह युद्ध, हस्तिनापुर के सिंहासन पर अधिकार के लिए, कौरव और पांडव नामक चचेरे भाइयों के बीच लगभग 3102 ईसा पूर्व हुआ था। यह युद्ध 18 दिनों तक लड़ा गया था।
  - भगवान गणेश ने महाभारत को लेखबद्ध किया था जबकि महर्षि वेदव्यास ने उन्हें इसका वर्णन किया था।
- **दशराजन (दशराज्ञ) युद्ध (ऋग्वैदिक युद्ध):**
  - एक प्राचीन भारतीय पवित्र ग्रंथ ऋग्वेद में वर्णित यह युद्ध लगभग 1500 ईसा पूर्व लड़ा गया था और इसमें दस राजाओं के संघ (गठबंधन) ने भरत के राजा सुदास के शासन को चुनौती दी थी।
- **वितस्ता/हाइडस्पेस का युद्ध (भारत पर सिकंदर का आक्रमण):**
  - यह युद्ध 326 ईसा पूर्व में यूनानी शासक सिकंदर और राजा पुरु के बीच लड़ा गया था, जिसके परिणामस्वरूप मकदूनिया की जीत हुई, लेकिन सिकंदर के भारतीय अभियान का अंत भी हो गया।
- **मगध की विजय :**
  - चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में नंद साम्राज्य और विस्तारित मौर्य साम्राज्य के बीच अनेक श्रृंखलाबद्ध युद्ध हुए, जिसके परिणामस्वरूप प्राचीन भारत में मौर्य साम्राज्य की प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापना हुई।
- **कलिंग युद्ध:**
  - यह युद्ध 261 ईसा पूर्व में मौर्य शासक अशोक और कलिंग साम्राज्य के बीच लड़ा गया था, जिसके परिणामस्वरूप मौर्य साम्राज्य की विजय हुई और कलिंग का विलय मौर्य साम्राज्य में हुआ। इस युद्ध का सम्राट अशोक पर गहरा प्रभाव पड़ा और उसने हिंसा को त्याग कर बौद्ध धर्म अपना लिया।
- **त्रिपक्षीय संघर्ष:**
  - त्रिपक्षीय संघर्ष भारतीय उपमहाद्वीप पर नियंत्रण के लिए मौर्य साम्राज्य, शुंग साम्राज्य और सातवाहन साम्राज्य के बीच तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व श्रृंखलाबद्ध संघर्ष हुए थे।
- **तराइन का प्रथम युद्ध:**
  - यह युद्ध 1191 ईसवी में राजपूत राजा पृथ्वीराज चौहान और मुस्लिम शासक मुहम्मद गौरी के बीच लड़ा गया था। इस युद्ध में पृथ्वीराज चौहान ने मुहम्मद गौरी को हरा दिया था।
- **तराइन का द्वितीय युद्ध:**
  - तराइन का दूसरा युद्ध 1192 ईसवी में मुहम्मद गौरी के नेतृत्व वाली गौर सेना और पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व वाले राजपूत चाहमानों तथा उनके सहयोगियों के बीच लड़ा गया था। जिसमें पृथ्वीराज चौहान की हार हुई थी।
- **पानीपत का प्रथम युद्ध:**
  - यह युद्ध 1526 ईसवी में मुगल बादशाह बाबर और दिल्ली के सुल्तान इब्राहिम लोदी के बीच लड़ा गया था, जिसके परिणामस्वरूप मुगलों की जीत हुई और भारत में मुगल शासन की स्थापना हुई।
- **खानवा का युद्ध:**
  - यह युद्ध 1527 ईसवी में मुगल सम्राट बाबर और राजपूत राजा राणा सांगा के बीच लड़ा गया था, जिसमें मुगलों की जीत हुई और उत्तरी भारत में मुगल शासन का एकीकरण हुआ।
- **चौसा का युद्ध:**
  - चौसा का युद्ध 1539 ई. में मुगल बादशाह हुमायूँ और अफगान शासक शेरशाह सूरी के बीच लड़ा गया था। यह युद्ध भारत के वर्तमान बिहार के बक्सर जिले में स्थित चौसा गाँव के पास लड़ा गया था। इस युद्ध में हुमायूँ की हार हुई और इसके परिणामस्वरूप उत्तरी भारत पर शेरशाह सूरी का नियंत्रण स्थापित हो गया। शेरशाह सूरी ने सूर साम्राज्य की स्थापना की थी यद्यपि उसने केवल थोड़े ही समय के लिए शासन किया था।
- **पानीपत का दूसरा युद्ध:**
  - पानीपत का दूसरा युद्ध 5 नवंबर, 1556 को दिल्ली से उत्तर भारत पर शासन करने वाले हिंदू राजा सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य, जिन्हें लोकप्रिय रूप से हेमू कहा जाता था, और अकबर की सेना के बीच लड़ा गया था। यह अकबर के सेनापति खान जमान और बैरम खान के लिए एक निर्णायक जीत थी।
- **तालीकोटा का युद्ध:**
  - यह युद्ध 1565 ईसवी में विजयनगर साम्राज्य और दक्कन सल्तनत के गठबंधन के बीच लड़ा गया था, जिसके परिणामस्वरूप विजयनगर साम्राज्य की करारी हार हुई और इस साम्राज्य का अंत हो गया।
- **हल्दीघाटी का युद्ध:**
  - यह युद्ध 1576 ईसवी में मुगल सम्राट अकबर और राजपूत शासक महाराणा प्रताप के बीच लड़ा गया था, जिसमें मुगलों की जीत हुई थी, इसके साथ ही राजपूताना का बड़ा भाग मुगलों के अधीन आ गया।
- **प्लासी का युद्ध:**
  - यह युद्ध 1757 ईसवी में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला के बीच लड़ा गया था, जिसके परिणामस्वरूप अंग्रेजों की जीत हुई और बंगाल में ब्रिटिश शासन की स्थापना हुई।

- **बक्सर का युद्ध :**
  - यह युद्ध 1764 ई. में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और बंगाल के नवाब, अवध के नवाब और मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय की संयुक्त सेना के बीच लड़ा गया था, जिसमें ब्रिटिशों की जीत हुई थी। जिससे उनकी शक्ति भारत में चर्म पर पहुँच गई।
- **प्रथम आंग्ल–मैसूर युद्ध (1766-1769 ई.) :**
  - यह युद्ध मैसूर के शासक हैदर अली और अंग्रेजों के बीच हुआ था क्योंकि हैदर अली ने अपने राज्य का विस्तार किया और यह दक्षिण भारत में ब्रिटिशों के लिए एक चुनौती के समान थी। यह युद्ध एक संधि के साथ समाप्त हुआ जिससे मैसूर स्वतंत्र हो गया, लेकिन उसकी सैन्य शक्ति प्रतिबंधित हो गई।
- **द्वितीय आंग्ल–मैसूर युद्ध (1780-1784 ई.) :**
  - यह युद्ध हैदर अली और उसके पुत्र टीपू सुल्तान के अधीन हुए मैसूर के निरंतर विस्तार के कारण हुआ था। युद्ध ब्रिटिश जीत और मैंगलोर की संधि के साथ समाप्त हुआ, जिसके मैसूर की बहुत कुछ चुकाना पड़ा।
- **तृतीय आंग्ल–मैसूर युद्ध (1789-1792 ई.) :**
  - यह युद्ध टीपू सुल्तान की निरंतर विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं के कारण हुआ था, क्योंकि इससे दक्षिण भारत में ब्रिटिश नियंत्रण के लिए एक चुनौती खड़ी हो गई थी। यह युद्ध एक और ब्रिटिश जीत और श्रीरंगपट्टनम की संधि के साथ समाप्त हुआ। मैसूर पर भारी जुर्माना लगाया गया और इसके अधिकार क्षेत्र को सीमित कर दिया गया।
- **चतुर्थ आंग्ल–मैसूर युद्ध (1798-1799 ई.) :**
  - यह युद्ध टीपू सुल्तान की निरंतर विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं और फ्रांसीसियों के साथ उनके गठबंधन के कारण हुआ था, क्योंकि फ्रांसीसी, अंग्रेजों के साथ निरंतर युद्धरत रहते थे। यह युद्ध ब्रिटिश विजय के साथ समाप्त हुआ। इस युद्ध में टीपू सुल्तान की मृत्यु हो गई और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा मैसूर पर कब्जा कर लिया गया।
- **प्रथम आंग्ल–मराठा युद्ध :**
  - यह युद्ध 1775-1782 ईसवी में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और मराठा साम्राज्य के बीच लड़ा गया था, जिसके परिणामस्वरूप ब्रिटिश जीत हुई और भारत के अधिकांश हिस्से पर ब्रिटिश नियंत्रण स्थापित हो गया।
- **द्वितीय आंग्ल–मराठा युद्ध :**
  - यह युद्ध 1803-1805 ईसवी में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और मराठा साम्राज्य के बीच लड़ा गया था, जिसमें ब्रिटिश जीत हुई और भारत में एक प्रमुख शक्ति के रूप में मराठा साम्राज्य का अंत हो गया।
- **तृतीय आंग्ल–मराठा युद्ध :**
  - यह युद्ध 1817-1818 ईसवी में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और मराठा साम्राज्य के बीच लड़ा गया था, जिसके परिणामस्वरूप मराठा शक्ति का अंत हो गया और भारत के अधिकांश हिस्से पर ब्रिटिश शासन की स्थापना हो गई।
- **आंग्ल–सिख युद्ध :**
  - ये युद्ध 1845-1846 और 1848-1849 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और सिख साम्राज्य के बीच लड़े गए थे, जिसमें ब्रिटिश विजय हुई और अंग्रेजों द्वारा पंजाब क्षेत्र पर कब्जा कर लिया गया था।
- **1857 का विद्रोह भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम :**
  - यह विद्रोह भारत में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एक व्यापक विद्रोह था, जो ब्रिटिश नीतियों के प्रति असंतोष और क्रीमिया युद्ध में भारतीय सैनिकों के उपयोग सहित कई कारकों से प्रेरित था।
- **भारत का विभाजन :**
  - 1947 में, ब्रिटिश सरकार ने भारतीयों को सत्ता हस्तांतरित करने के अपने निर्णय की घोषणा की। इस दौरान सांप्रदायिक हिंसा हुई और सामूहिक प्रवासन भी हुआ तथा देश का हिन्दू और मुस्लिम के लिए भारत और पाकिस्तान नामक दो अलग–अलग देशों में विभाजन हो गया।
- **भारत–चीन युद्ध :**
  - यह युद्ध 1962 ईसवी में चीन और भारत के बीच एक विवादित सीमा विवाद को लेकर लड़ा गया था, जिसके परिणामस्वरूप चीन की जीत हुई थी। इसमें भारत ने एक बड़े भूमि क्षेत्र को गँवा दिया था।
- **भारत–पाक युद्ध 1965 :**
  - यह युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर के विवादित क्षेत्र को लेकर लड़ा गया था। इसमें गतिरोध रहा और संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से युद्धविराम हुआ था।
- **भारत–पाक युद्ध 1971 :**
  - यह युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ा गया था, जिसके परिणामस्वरूप पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) को स्वतंत्रता मिली और भारत को निर्णायक जीत मिली।
- **कारगिल युद्ध :**
  - यह युद्ध 1999 ईसवी में भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर के कारगिल जिले में लड़ा गया था, जिसमें भारत की जीत हुई और भारतीय क्षेत्र से पाकिस्तानी सेना को खदेड़ दिया गया।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम

- प्राचीन काल में भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। उस समय भारत का व्यापार लगभग आधे विश्व में विस्तृत था। यूरोपीय देशों में भारतीय मसालों, विशेषकर काली मिर्च और इलायची की बहुत माँग थी।
- यह व्यापार अरब देशों के व्यापारियों द्वारा किया जाता था। यूरोपीय देशों में भारतीय वस्तुओं की बहुत अधिक कीमत मिलती थी।
- पुर्तगाल का एक नाविक-वास्कोडिगामा लंबी समुद्री यात्रा के बाद भारत आने वाला पहला व्यक्ति था। उसका जहाज कालीकट के बंदरगाह 1498 में पहुँचा था।
- वास्कोडिगामा की यात्रा के बाद पुर्तगालियों ने भारत के साथ व्यापार करना शुरू कर दिया। वे भारत से सस्ती दरों पर सामान खरीदते थे और उन्हें यूरोपीय बाजारों में ऊँचे दामों पर बेचते थे।

- थोड़े ही समय में पुर्तगाल एक समृद्ध देश बन गया। इससे ब्रिटेन, इटली और फ्रांस जैसे देश भी भारत के साथ व्यापार करने के लिए लालाहित हुए। लगभग इसी समय 1707 ईसवी में औरंगजेब की मृत्यु के बाद मुगल साम्राज्य अपने पतन की और अग्रसर हो रहा था।
- भारत के विभिन्न भागों में छोटे–छोटे क्षेत्रीय राज्यों का उदय भी हुआ। इस सब राज्यों ने यूरोपीय देशों को भारत में अपने पैर जमाने का मार्ग सुगम बना दिया।
- **भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापनाः**
  - भारत एक समृद्ध देश था परन्तु कमजोर मुगल शासकों के कारण पुर्तगाल के अलावा हॉलैंड, फ्रांस और इंग्लैंड जैसे अन्य यूरोपीय देशों ने भी यहां व्यापार करना शुरू कर दिया था।
  - भारत के साथ व्यापार करने के लिए अंग्रेज व्यापारियों ने 1600 ईसवी में ईस्ट इंडिया कंपनी (EIC) की स्थापना की। इस कंपनी ने सबसे पहले सूरत, चेन्नई, कोलकाता और मुंबई में व्यापारिक प्रतिष्ठान स्थापित किए।
  - 1757 ईसवी में प्लासी के युद्ध में बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला की हार हुई। कंपनी ने बंगाल पर अधिकार कर लिया। कम्पनी की यह जीत ही भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की शुरुआत थी।
  - 1764 के बक्सर युद्ध विजय के बाद कंपनी को बिहार, बंगाल और उड़ीसा की जमींदारी प्राप्त हो गई। इसने भारत के एक बड़े हिस्से पर अधिकार कर लिया। धन बटोरने के लिए अंग्रेजों ने अब लोगों पर अत्याचार करना शुरू कर दिया।
  - किसानों को उनकी मर्जी से कृषि करने से रोका जाने लगा। गेहूँ के स्थान पर उन्हें अफीम, नील और कपास उगाने के लिए विवश किया गया।
  - अंग्रेजों ने भारतीय शासकों के राज्यों को हड़पना शुरू कर दिया। अवध के नवाब और झाँसी की रानी के साथ भी ऐसा ही हुआ।
  - अंग्रेजों ने भारत में अपना शासन बनाए रखने के लिए 'फूट डालो और शासन करो की नीति अपनाई और हिन्दू-मुस्लिम एकता को नुकसान पहुँचाने का प्रयास किया।
  - यह गुस्सा अंततः 1857 में विद्रोह के रूप में फूट पड़ा। इस विद्रोह का देश के एक बड़े हिस्से में विस्तार हुआ। भारतीय इतिहास में इस विद्रोह को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहा जाता है।

क्या आप जानते हैं?

★ सहायक संधि का सिद्धांत को 1798 से 1805 ईसवी तक भारत के ब्रिटिश गवर्नर–जनरल रहे लॉर्ड वेलेस्ले (वेलेजली) द्वारा प्रस्तुत किया गया था। वर्ष 1798 में हैदराबाद के निजाम इस तरह के संधि करने वाला पहला पदार्थ व्यक्ति था।

★ ब्रिटिश शासन के पहले गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स थे।

- **1857 का विद्रोहः**
  - ब्रिटिश सेना के भारतीय सैनिक भी अपने साथ किए जा रहे असमान व्यवहार से नाराज थे। 29 मार्च, 1857 को ब्रिटिश सेना की बंगाल की बैरकपुर रेजिमेंट के मंगल पांडे नामक एक सिपाही ने विद्रोह शुरू कर दिया। उसने गाय और सुअर की चर्बी लगे कारतूसों का प्रयोग करने से मना कर दिया क्योंकि इन कारतूसों को दागने के लिए दाँतों से काटना पड़ता था।
  - मंगल पाण्डे ने एक अंग्रेज अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी। उसे मृत्युदंड की सजा सुनाई गई।
  - जब यह खबर मेरठ छावनी पहुँची तो वहाँ के सैनिकों ने 10 मई, 1857 को विद्रोह कर दिया। बहुत से अंग्रेज मारे गए। बन्दी सैनिकों को मुक्त कर दिया गया। अगले दिन सिपाही दिल्ली पहुँचे। उन्होंने लाल किले पर अधिकार कर लिया और बूढ़े बादशाह बहादुर शाह जफर को भारत का बादशाह घोषित कर दिया।
  - इस विद्रोह की आग पूरे उत्तर भारत में फैल गई। कानपुर में पेशवा नाना साहिब, झांसी में रानी लक्ष्मीबाई और मध्य भारत में तांत्या टोपे, लखनऊ में बेगम हजरत महल और बिहार में कुंवर सिंह ने इस विद्रोह का नेतृत्व किया। इलाहाबाद, बुंदेलखंड, कानपुर, दिल्ली, अवध, रुहेलखंड और बिहार के कुछ हिस्सों में सैनिकों के अलावा आम लोगों ने भी इस विद्रोह में भाग लिया।
  - हालाँकि, इस विद्रोह में सभी लोग बहादुरी से लड़े थे परन्तु यह विद्रोह सफल नहीं हो सका।
  - फिर भी, इस विद्रोह ने ईस्ट इंडिया कंपनी की नींव हिला दी। अंततः इंग्लैंड की महारानी विक्टोरिया ने 1858 में भारत के प्रशासन की बागडोर अपने हाथों में ले ली।
  - इस प्रकार भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन का अंत हो गया। 1858 ई. से वायसराय ब्रिटिश सरकार की ओर से भारत का शासक बना।
  - इस समय महाराजा रणजीत सिंह पंजाब के शासक थे। उन्होंने कांगड़ा, कटक, मुल्तान और पेशावर पर अधिकार कर सिख साम्राज्य का विस्तार किया। बाद में चतुराई से रणजीत सिंह ने अंग्रेजों से संधि कर ली।
- **स्वतंत्रता की ओरः**
  - 1885 ईसवी में एलन ऑक्टेवियन ह्यूम नामक एक ब्रिटिश अधिकारी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की। प्रारंभ में कांग्रेस का उद्देश्य भारतीयों की स्थिति की ओर अंग्रेजों का ध्यान आकृष्ट करना था।
  - दादा भाई नौरोजी और गोपाल कृष्ण गोखले के प्रयासों से भारतीयों को कांग्रेस के रूप में एक मंच मिला।
  - धीरे–धीरे कांग्रेस के सदस्यों की संख्या बढ़ने लगी। शिक्षितों के अलावा सामान्य जन भी इससे जुड़ने लगे। बाल गंगाधर तिलक, मदन मोहन मालवीय, लाला लाजपत राय, अरविंद घोष, अजमल खान और बिपिन चंद्र पाल जैसे नए विचारों के लोग भी कांग्रेस में शामिल हो गए।
  - राष्ट्रवादी भावना के विकास के समय ही मोहम्मद इकबाल ने सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ता हमारा गीत 1904 में लिखा था। इसे तराना-ए-हिन्द कहा जाता है।
  - इन लोगों के आने से कांग्रेस दो समूहों में विभाजित हो गईः नरमपंथी और चरमपंथी। क्रांतिकारी विचारों वाले लोग चरमपंथी समूह में थे जबकि जो लोग शांतिपूर्ण तरीकों से अंग्रेजों का सामना करना चाहते थे, वे नरमपंथी समूह का हिस्सा थे।

- पंडित मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, सरदार वल्लभ भाई पटेल, डॉ राजेंद्र प्रसाद, अबुल कलाम आजाद, सरोजिनी नायडू, अरुणा आसफ अली जैसे प्रतिष्ठित नेताओं ने भी इस स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया।
- 13 अप्रैल, 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में ब्रिटिश सैनिकों ने शांतिपूर्ण ढंग से एकत्रित लोगों पर गोलियों की बौछार कर दी। सैकड़ों निहत्थे लोग मारे गए।
- चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राम प्रसाद बिस्मिल, बटुकेश्वर दत्त, अशफाक उल्ला खान, राजगुरु और सुखदेव जैसे क्रांतिकारियों ने आजादी की मशाल को जलाए रखा।
- 1920 ईसवी में गांधीजी ने रॉलेट एक्ट और जलियांवाला बाग की घटना का विरोध करने के लिए असहयोग आंदोलन चलाया। इससे सरकार पंगु हो गई।
- 1929 ईसवी में जवाहरलाल नेहरू ने 'पूर्ण स्वराज' की मांग की जिसका अर्थ अंग्रेजी शासन से पूर्ण स्वतंत्रता था। उस समय नमक बनाने का अधिकार केवल सरकार के पास ही था।
- 6 अप्रैल, 1930 को गांधीजी ने 'नमक कानून' तोड़कर अपनी दांडी यात्रा पूरी की। इसे सविनय अवज्ञा आंदोलन के नाम से जाना जाता है।
- 1942 ईसवी में गांधीजी के नेतृत्व में लोगों ने भारत छोड़ो आंदोलन चलाया। गांधीजी ने कहा था कि हम या तो आजादी हासिल करेंगे या मर जाएंगे। सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिन्द फौज ने भी ब्रिटिश सेना को अन्दर तक हिला दिया था।
- अंततः 15 अगस्त, 1947 को भारत को ब्रिटिश साम्राज्य से स्वतंत्रता प्राप्त हुई। भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दिल्ली में लाल किले की प्राचीर से तिरंगा फहराया।

स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण व्यक्तित्व

- **एनी बेसेंटः**
  - भारत में थियोसोफिकल सोसायटी की स्थापना की और होमरूल लीग की शुरुआत की।
  - बनारस में सेंट्रल हिंदू स्कूल और कॉलेज की स्थापना की।
  - कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन (1917 ई.) की अध्यक्षता की।
  - उन्हीं की स्मृति में 13 फरवरी को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है।
- **लाला लाजपत रायः**
  - वे भारत के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे और कांग्रेस की गरमपंथी तिकड़ी बाल लाल पाल' के सदस्य थे। उन्होंने लाला हंसराज के साथ मिलकर पूरे देश में दयानंद एंग्लो वैदिक कॉलेजों की स्थापना की थी।
- **चन्द्रशेखर आजादः**
  - वे एक प्रसिद्ध क्रांतिकारी कार्यकर्ता, हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य और हिंदुस्तान सोशल रिपब्लिकन आर्मी के संस्थापक सदस्य थे।
  - वह 1925 के काकोरी षड्यन्त्र, द्वितीय लाहौर षड्यन्त्र, दिल्ली षड्यन्त्र, लाहौर में सान्डर्स की हत्या और केन्द्रीय असेम्बली बम कांड में शामिल थे।
- **लाल बहादुर शास्त्री :**
  - उनका जन्म सन् 1904 में एक कायस्थ परिवार में वाराणसी में हुआ था।
  - उन्होंने जातिवाद के विरोध में अपना श्रीवास्तव सरनेम त्यागकर शैक्षिक उपाधि शास्त्री लगाई थी वे वर्ष 1964 में जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद देश के प्रधानमंत्री बने।
  - उन्होंने जय जवान जय किसान का नारा दिया था।
  - वर्ष 1966 में उज्बेकिस्तान में संदिग्ध परिस्थिति में इनकी मृत्यु हो गई थी।
- **दादाभाई नौरोजीः**
  - वे कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन, 1906 में 'स्वराज' की माँग करने वाले प्रथम व्यक्ति थे।
  - वे लिबरल पार्टी के टिकट पर "हाउस ऑफ कॉमन्स" के लिए चुने जाने वाले पहले भारतीय थे।
  - उन्होंने अपनी पुस्तक "पॉवर्टी एंड अन–ब्रिटिश रूल इन इंडिया" (1901) में अंग्रेजों द्वारा भारत से धन की निकासी और उसके प्रभाव पर प्रकाश डाला।
  - उन्हें "ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया" के रूप में जाना जाता है।
- **डॉ. भीमराव अम्बेडकरः**
  - उन्होंने दलित वर्ग संस्थान (1924) और समाज समता संघ (1927) की स्थापना की।
  - उन्होंने सभी तीन गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया और 1932 में गांधीजी के साथ पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर किए।
  - वे भारतीय संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष थे।
  - स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में, उन्होंने हिंदू कोड बिल पेश किया था।
- **डॉ. राजेन्द्र प्रसादः**
  - राजेन्द्र प्रसाद का जन्म बिहार के सारण में हुआ था।
  - उन्होंने पटना में नेशनल कॉलेज की स्थापना की।
  - वे संविधान सभा के अध्यक्ष थे।
  - वे आजादी के बाद भारतीय गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति बने थे।
  - वह अंतरिम सरकार (1946) में खाद्य और कृषि मंत्री थे।
  - 1962 में उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।
- **गोपाल कृष्ण गोखलेः**
  - गांधीजी उन्हें अपना राजनीतिक गुरु मानते थे।
  - वे 1905 के कांग्रेस के बनारस अधिवेशन के अध्यक्ष थे तथा उन्होंने स्वदेशी आंदोलन का समर्थन किया था।
  - उन्होंने 1905 में भारत सेवक समाज सर्वेन्ट ऑफ इंडिया सोसाइटी की स्थापना की।
- **बाल गंगाधर तिलकः**
  - बाल गंगाधर तिलक स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारत के शीर्ष नेता थे वे गर्म दल से सम्बन्धित थे। उन्होंने स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है मैं इसे लेकर रहूँगा का नारा दिया था।
- **जवाहरलाल नेहरूः**
  - इनका जन्म नवम्बर 1889 में प्रयागराज में हुआ था। इनके जन्म दिवस को भारत में बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

- वे 1928 में कांग्रेस के महासचिव और 1929 में इसके अध्यक्ष बने थे।
- लाहौर अधिवेशन में उनकी अध्यक्षता में ही स्वतंत्रता प्रस्ताव पारित किया गया था। जिसकी घोषणा उन्होंने लाल किले की प्राचीर से की थी।
- वह गणतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री (1947 से 1964 तक) थे, और उन्हें आधुनिक भारत के वास्तुकार के रूप में भी जाना जाता है।
- उन्होंने 'नेशनल हेराल्ड' नामक समाचारपत्र निकाला था।
- उन्होंने पंचशील के सिद्धांत प्रतिपादित किया और गुटनिरपेक्षता की नीति में विश्वास किया।
- उन्हें भारत की पहली योजना समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

● **रबीन्द्रनाथ टैगोर:**
- उन्होंने 22 दिसंबर, 1901 को बोलपुर के निकट शांति निकेतन की स्थापना की।
- उन्होंने 'गीतांजलि' की रचना की, जिसके कारण उन्हें 1913 में साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 1915 में, ब्रिटिश क्राउन ने उन्हें 'नाइटहुड' प्रदान किया, जिसे उन्होंने जलियांवाला बाग नरसंहार के बाद त्याग दिया।
- उनकी रचनाओं को दो राष्ट्रों द्वारा राष्ट्रगान के रूप में चुना गया था।
  (i) भारत – जन गण मन
  (ii) बांग्लादेश – आमार सोनार बांग्ला

● **सरोजिनी नायडू:**
- उन्हें लोकप्रिय रूप से "भारत की कोकिला" के रूप में जाना जाता है। वह उत्तर प्रदेश की एक राष्ट्रवादी नेत्री और कवयित्री थीं।
- उन्होंने गांधीजी के साथ डांडी मार्च में भाग लिया था और 1925 में कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन की अध्यक्षता की थी।
- वह उत्तर प्रदेश राज्य की राज्यपाल बनने वाली भारत की प्रथम महिला थीं।

● **महात्मा गांधी:**
- महात्मा गांधी का जन्म 1869 में गुजरात के पोरबन्दर में हुआ था उनके पिता का नाम करमचन्द गांधी था।
- उन्होंने अहिंसक सत्याग्रह का समर्थन किया और वे ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता हेतु भारत के संघर्ष में एक प्रमुख स्तम्भ थे। उन्हें भारत का राष्ट्रपिता कहा जाता है।
- 1915 में वे दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे। तब उन्होंने अहमदाबाद में 'साबरमती आश्रम' की स्थापना की थी। गांधी जी ने 1917 में चम्पारण में सबसे पहले सत्याग्रह का प्रयोग किया था। यह तिनकठिया प्रणाली के विरोध में था।
- महात्मा गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था।
- नमक कानून तोड़ने के लिए महात्मा गांधी ने दांडी मार्च किया था।
- उन्होंने इण्डियन ओपिनियन, हिन्द स्वराज नवजीवन, यंग इण्डिया, हरिजन जैसे अखबारों और पत्रिकाओं का संपादन एवं प्रकाशन किया।
- उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1917 में बिहार के चम्पारण से की थी।
- उन्होंने असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन जैसे कई प्रमुख अभियानों का नेतृत्व किया। 30 जनवरी, 1948 को राष्ट्रद्रोही नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की हत्या कर दी थी। यह दिवस शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

● **सरदार वल्लभभाई पटेल:**
- वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति थे और उन्होंने भारत की रियासतों को एक संगठित राष्ट्र के रूप में एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इन्हें भारत का लौह पुरुष कहा जाता है।
- उन्होंने स्वतंत्रता के बाद भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के रूप में कार्य किया।

● **सुभाष चन्द्र बोस:**
- उन्का जन्म 23 जनवरी, 1897 में कटक ओडिशा में हुआ था उनके जन्म दिन को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने 1939 में कांग्रेस से अलग होकर फारवर्ड ब्लॉक का गठन किया था।
- उन्होंने स्वतंत्रता के संघर्ष के लिए अधिक आक्रामक और चरमपंथी दृष्टिकोण का समर्थन किया था।
- उन्होंने 1943 में कैप्टन मोहन सिंह के नेतृत्व में सिंगापुर में आजाद हिंद फौज की स्थापना की। जिसके वे पहले कमांडर बने।
- उन्होंने दिल्ली चलो और तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा' के नारे दिए थे।
- उन्हें नेताजी के नाम से भी जाना जाता है।

● **भगत सिंह:**
- भगत सिंह वे एक समाजवादी क्रांतिकारी थे जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ विद्रोह के अपने कार्यों के लिए उन्हें राष्ट्रीय नायक माना जाता है। उन्होंने 1924 में नौजवान भारत सभा का गठन किया था।
- उन्होंने 1928 में केंद्रीय विधानसभा बम फेंका था।
- 'उन्होंने 'मैं नास्तिक क्यों हूँ' पुस्तक की रचना की थी और 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा दिया था।

● **रानी लक्ष्मीबाई:**
- रानी लक्ष्मीबाई वे उत्तर भारत में मराठा राज्य झाँसी की रानी थी और 1857 के भारतीय विद्रोह के प्रमुख व्यक्तियों में से एक थीं।

● **सी. राजगोपालाचारी:**
- गणतंत्र बनने से पहले उन्होंने भारत के अंतिम गवर्नर–जनरल के रूप में कार्य किया और वे मद्रास राज्य के मुख्यमंत्री भी रहे।
- उन्होंने वेदारण्य तमिलनाडु में सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया था।

● **बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय:**
- उन्होंने भारत के राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् की रचना की थी।

● **बाल गंगाधर तिलक:**
- उन्होंने गणपति पूजा और शिवाजी जयंती को सार्वजनिक उत्सव बनाया।

- **मदन मोहन मालवीयः**
    - पं. मदन मोहन मालवीय ने भारत में शैक्षिक सुधारों के अन्तर्गत सन् 1917 में सेन्ट्रल हिन्दू कॉलेज की स्थापना की थी जो बाद के समय में बनारस हिन्दू विश्व विद्यालय के रूप में विकसित हुआ।

भारत के समाज सुधारक

- **राजा राममोहन रायः**
    - राममोहन राय (1772–1833) पश्चिमी विचारों से प्रभावित उन पहले सुधारकों में से एक थे जिन्होंने भारत में सुधारों का श्रीगणेश किया था। वे एक महान विद्वान थे और वे अपनी मातृभाषा बंगाली के ज्ञान के अलावा संस्कृत, अरबी, फारसी और अंग्रेजी के अच्छे जानकार थे।
    - उन्होंने 1915 में आत्मीय सभा का गठन किया था।
    - उनके अभियान के परिणामस्वरूप ही 1829 में गवर्नर–जनरल विलियम बेंटिंक द्वारा सती प्रथा उन्मूलन कानून पारित किया गया।
    - उन्हें भारत के राष्ट्रवाद का जनक नवप्रभात का तारा भी कहा जाता है।
    - 1825 ई. में वेदांत कॉलेज की स्थापना की राजा राम मोहन राय ने उच्च शिक्षा के लिए कलकत्ता में हिंदू कॉलेज खोलने में भी सहायता की।
    - उन्होंने बंगाली में संवाद कौमुदी नामक समाचार–पत्र निकाला था।
    - राममोहन राय ने 20 अगस्त, 1828 को ब्रह्म समाज की स्थापना की। उन्होंने कलकत्ता में एक मंदिर खोला, जहाँ कोई मूर्ति स्थापित नहीं की गई थी।
- **महर्षि देबेन्द्रनाथ टैगोरः**
    - राममोहन राय (1833) की मृत्यु के बाद कवि रवींद्रनाथ टैगोर के पिता महर्षि देबेंद्रनाथ टैगोर (1817–1905) ने राय साहब के कार्य को आगे बढ़ाया।
- **केशवचन्द्र सेनः**
    - देवेंद्रनाथ उदारवादी सुधारक थे। केशब चंद्र सेन, (1838–84) थे जो 1857 में आंदोलन में शामिल हुए थे। लेकिन 1866 में ब्रह्म समाज में विभाजन हो गया।
    - केशव ने ब्रह्म समाज छोड़ दिया और एक नए संगठन आदि ब्रह्म समाज की स्थापना की।
- **ईश्वरचन्द्र विद्यासागरः**
    - ईश्वर चंद्र विद्यासागर (1820–1891) बंगाल के एक और शीर्ष सुधारक और कलकत्ता संस्कृत कॉलेज के प्राचार्य थे।
    - विद्यासागर के नेतृत्व में हुए आंदोलन और प्रथाओं के परिणामस्वरूप तत्कालीन गवर्नर जनरल लार्ड डलहौजी ने विधवा पुनर्विवाह सुधार अधिनियम 1856 पारित किया।
- **स्वामी दयानंद सरस्वती तथा आर्य समाजः**
    - उत्तर भारत और पंजाब में सुधार आन्दोलन का नेतृत्व आर्य समाज ने किया। इसकी स्थापना (1875) में बम्बई में एक परिभ्रमी तपस्वी, स्वामी दयानंद सरस्वती (1824–83) द्वारा की गई थी। उनका जन्म गुजरात के मौरवी में हुआ था।
    - स्वामी दयानंद बाद में अपने विचारों का प्रचार करने के लिए पंजाब में बस गए। उनकी पुस्तक, सत्यार्थ प्रकाश, व्यापक रूप से प्रसिद्ध हुई।
    - उन्होंने हिंदू धर्म में अंधविश्वासों को भी अस्वीकार कर दिया और उन्होंने "वेदों की ओर वापस लौटो" का नारा दिया।
    - उन्होंने शुद्धि नामक एक शुद्धिकरण समारोह आयोजित किया जो उन हिंदुओं के लिए था जो इस्लाम और ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे।
    - आर्य समाज ने कई दयानंद एंग्लो–वैदिक (DAV) स्कूल और कॉलेज भी प्रारम्भ किये थे।
- **स्वामी विवेकानंदः**
    - नरेंद्र नाथ दत्त (1863–1902), जिन्हें बाद में स्वामी विवेकानंद के नाम से जाना गया, रामकृष्ण परमहंस के प्रमुख अनुयायी थे। उनके जन्म दिवस को भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, उनकी मृत्यु मात्र 39 वर्ष थी अवस्था में 1903 में हो गई थी।
    - उन्होंने गीता की ओर लौटो का उद्घोष किया था और 1897 में रामकृष्ण मिशन की शुरुआत की थी।
    - वह 1893 ईसवी में शिकागो में आयोजित हुए विश्व धर्म सम्मेलन में हिंदू धर्म पर अपने भाषणों के लिए प्रसिद्ध हुए।
- **ज्योतिबा फुलेः**
    - ज्योतिबा गोविंदराव फुले का जन्म 1827 में महाराष्ट्र में एक कृषक परिवार में हुआ था जिसे शूद्र वर्ग में रखा गया था। उन्होंने 1848 में पूना में तथाकथित 'अछूतों' के लिए पहला स्कूल खोला जिसमें उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले ने उनका सहयोग किया था।
    - उन्होंने 1873 में गैर–ब्राह्मण जनता को आत्म–सम्मान के लिए प्रेरित करने के लिए सत्यशोधक समाज (सत्य–साधक समाज) का शुभारंभ किया।
    - वे अमेरिकी लेखक थामस पेन की पुस्तक द राष्ट्र मैन से बहुत प्रभावित थे।
    - ज्योतिबा और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले ने दलित वर्गों और महिलाओं के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। ज्योतिबा ने विधवाओं के लिए पूना में अनाथालय और आश्रम स्थापित किये।
    - 1873 में, ज्योतिबा फुले ने अपनी पुस्तक 'गुलामगिरी' को दास मुक्ति के लिए चलाये गए अमेरिकी आंदोलन को समर्पित किया। उन्होंने अमेरिका में अश्वेत गुलामों की स्थिति को भारत में तथाकथित निचली जातियों की स्थिति के जैसा माना था।
- **डॉ. भीमराव अम्बेडकरः**
    - अम्बेडकर का जन्म मऊ मध्य प्रदेश में एक महार परिवार में हुआ था वे भारत के प्रख्यात समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री और सुधारक थे। स्कूल खत्म करने के बाद उन्हें उच्च अध्ययन के लिए अमेरिका जाने के लिए फेलोशिप मिली। 1919 में भारत लौटने पर, उन्होंने समकालीन समाज में "उच्च" जाति की शक्ति के बारे में विस्तार से लिखा।
    - 1927 में, अम्बेडकर ने एक मंदिर प्रवेश आंदोलन शुरू किया, जिसमें उनकी महार जाति के अनुयायियों ने भाग लिया। जब दलितों ने मंदिर के कुंए से पानी लिया तो ब्राह्मण पुजारी नाराज हो गए।
    - अम्बेडकर ने 1927 और 1935 के बीच मंदिर प्रवेश के लिए ऐसे तीन आंदोलनों का नेतृत्व किया। उनका उद्देश्य समाज के भीतर जातिगत पूर्वाग्रहों की शक्ति को सभी को दिखाना था।

- अम्बेडकर ने अगस्त 1936 में स्वतंत्र श्रमिक दल और जुलाई 1942 में अखिल भारतीय अनुसूचित जाति महासंघ की स्थापना की।
- उन्हें 1947 में भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें भारत में बाबा साहब और संविधान निर्माता के रूप में जाना जाता है।
- 14 अप्रैल को उनका जन्म दिवस अम्बेडकर जयंती के रूप में तथा 6 दिसम्बर को उनका परिनिर्वाण दिवस मनाया जाता है।

- **सर सैयद अहमद खाँ:**
    - मुस्लिम धर्म सुधारों के अन्तर्गत सर सैयद खां ने 1875 में मुस्लिम-एंग्लो ओरियंटल कॉलेज की स्थापना की जो बाद में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ।

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. रवीन्द्रनाथ टैगोर का उपनाम क्या है ?
(A) महामना (B) गुरुदेव
(C) बादशाह खान (D) इनमें से कोई नहीं

2. दयानंद सरस्वती निम्नलिखित में से कौन-से मिशन के संस्थापक थे ?
(A) आर्य समाज (B) प्रार्थना समाज
(C) ब्रह्म समाज (D) चिनमाया मिशन

3. विश्व की सबसे बड़ी सभ्यता कौन-सी है ?
(A) चीन सभ्यता (B) सिंधु घाटी सभ्यता
(C) मेसोपोटामिया सभ्यता (D) मिस्र की सभ्यता

4. हाथियों का सर्वप्रथम किस राज्य ने युद्ध में उपयोग किया?
(A) कौसल (B) मगध
(C) पाल (D) अवंती

5. जलियाँवाला बाग हत्याकांड कब हुआ?
(A) 1919 (B) 1918
(C) 1917 (D) 1939

6. भारत छोड़ो आंदोलन कब हुआ?
(A) 1943 (B) 1942
(C) 1944 (D) 1945

7. गाँधीजी दक्षिण अफ्रीका से भारत किस वर्ष आये?
(A) 1916 (B) 1917
(C) 1915 (D) 1919

8. निम्नलिखित में से बुद्ध गणराज्य का सम्बन्ध किससे है?
(A) लिच्छवी (B) शाक्य
(C) मल्लस (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

9. त्रिपिटक किसकी पवित्र पुस्तकें हैं?
(A) बौद्ध (B) हिंदू
(C) जैन (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

10. रामचरितमानस के रचयिता तुलसीदास निम्नलिखित में से किस शासक के समकालीन थे?
(A) अकबर (B) हुमायूँ
(C) शाहजहाँ (D) शेरशाह सूरी

11. इब्नबतूता किस भारतीय शासक के कार्यकाल में आया?
(A) इल्तुतमिश (B) अलाउद्दीन खिलजी
(C) मोहम्मद बिन तुगलक (D) बलबन

12. सुभाष चंद्र बोस ने 'दिल्ली चलो' का नारा किस देश से दिया?
(A) रूस (B) जापान
(C) इटली (D) सिंगापुर

13. नमक कानून तोड़ने के लिए गाँधी जी ने क्या किया?
(A) दाण्डी मार्च (B) अहमदाबाद मार्च
(C) चम्पारण मार्च (D) ये सभी

14. ब्रिटिश शासनकाल में सती प्रथा रोकने का कानून किसने बनाया?
(A) डलहौजी (B) वेलेजली
(C) विलियम बैण्टिक (D) मेयो

15. प्राचीन लोथल नगर किस राज्य में स्थित है?
(A) गुजरात (B) पंजाब
(C) हरियाणा (D) उड़ीसा

16. 'आजाद हिंद फौज' की स्थापना कहाँ हुई थी?
(A) सिंगापुर (B) भारत
(C) कनाडा (D) यू. एस. ए

17. ब्रिटिश राज में भारत के पहले गवर्नर-जनरल कौन थे?
(A) लॉर्ड हेस्टिंग्स (B) वॉरेन हेस्टिंग्स
(C) लॉर्ड विलियम बैंटिक (D) इनमें से कोई नहीं

18. कुरुक्षेत्र की लड़ाई कितने दिनों तक लड़ी गई ?
(A) 12 (B) 18
(C) 15 (D) 19

19. व्यास के कथन पर महाकाव्य महाभारत को किसने लिखा था ?
(A) नारद (B) विश्वकर्मा
(C) गणेश (D) शिव

20. निम्नलिखित में से कौन से शासक बुद्ध के समकालीन थे?
(A) मगध के बिम्बिसार
(B) कोशल के प्रसेनजित
(C) वत्स के उदयन
(D) उपरोक्त सभी

21. भारत में "सहायक गठबंधन" नीति किसने शुरू की?
(A) लॉर्ड विलियम बैंटिक
(B) लॉर्ड ऑकलैंड
(C) लॉर्ड वेलेजली
(D) लॉर्ड डलहौजी

22. भगवान 'इंद्र' का वाहन क्या है?
(A) ऐरावत (B) गरुड़
(C) नंदी (D) उल्लू

❑❑